**Regarding need to develop sports infrastructure in Pataliputra Parliamentary Constituency-laid**

श्री राम कृपाल यादव **(**पाटलिपुत्र**):** वर्तमान केंद्र सरकार खेल को बढ़ावा देने के लिए काफ़ी प्रयास कर रही है । यह बहुत प्रशंसनीय बात बात है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जमीनी स्तर पर प्रतिभा को तराशने के लिए ?खेलो इंडिया? तथा अन्य स्कीम चला रही है ।

चूँकि सरकार का मुख्य उद्देश्य गाँव गरीब इलाकों के बच्चों को पर्याप्त ट्रेनिंग, अच्छे स्टेडियम, कोच आदि की कमी को दूर करने का है । सरकार प्रयास भी कर रही है । मैं समझता हूँ कि इन स्कीमों के माध्यम से ख़ासकर दिव्यांग युवाओं को, महिलाओं को, राज्य और केंद्र स्तर के टूर्नामेंटों तक पहुँचाने का काम किया है, यह सराहनीय है ।

कई योजनाओं के माध्यम से खिलाड़ियों और कोच को वित्तीय मदद दी जा रही है । घायल होने पर वित्तीय एवं मेडिकल सुविधा देने की व्यवस्था भी है । खेल मंत्रालय द्वारा ओलंपिक खेलों के लिए कई योजनाएँ बनाई है ।

अब देखिये कि पिछले दस वर्षों में हमारे खिलाड़ियों का ओलंपिक और एशियन गेम्स में प्रदर्शन कितना शानदार हुआ है । परंतु एक पीड़ा और सुझाव सरकार से साझा करना चाहता हूँ । खेल का जो माहौल आज हरियाणा और आसपास के इलाक़ों में है, मैं समझता हूँ कि ये पूरे देश में फैलना चाहिए । ख़ासकर के बिहार जैसे क्षेत्रों में जहां इंफ़्रास्ट्रक्चर नहीं है, बढ़िया ट्रेनर मिलना दूर की बात है खेल के बढ़िया मैदान तक नहीं है जहां बच्चे प्रैक्टिस कर सके । मैं समझता हूँ कि बिहार के लिए मेरे संसदीय क्षेत्र पाटलिपुत्र से एक नई शुरुआत करनी चाहिए ।

मैं सरकार से यह माँग करता हूँ कि केंद्र सरकार राज्य के साथ बात करके सांई और अन्य प्राधिकरण के माध्यम से हमारे युवा साथियों के लिए बढ़िया खेल इंफ़्रास्ट्रक्चर तैयार करे । खेलने के साधन उपलब्ध कराना चाहिए, अच्छा ट्रेनर दे । इसलिए मैं समझता हूँ कि नौजवानों की एनर्जी का हमें इस्तेमाल करना होगा । हम बस उन्हें बढ़िया इंफ़्रास्ट्रक्चर दें, स्टेडियम बनायें, खेल लायक़ माहौल ख़ुद से तैयार हो जाएगा ।

मुझे बताते हुए ख़ुशी हो रही है कि वर्तमान केंद्र सरकार खेल के लिए इतनी अच्छी अच्छी स्कीम लायी है जहां पेंशन से लेकर नौकरी देने तक की व्यवस्था है तो नौजवान खेल की तरफ़ ख़ुद से आयेंगे ।